उष्माघात क डॉ. हेमंत जोशी क 3 श्रेणी।

बुखार ः- धुप के वजह से या बीमारी
के वजह से बुखार कैसे पहचान के।

उत्तर ः- 1) शरीर के चमडी क बुखार बगल कांख में थर्मामिटर रखके देखयके।.

2) शरीर के अन्दर क बुखार मोहे में से या फिर पेसाब कि जगह से जाचलें।.

1) हमेशा से मुहे के अन्दर क तापमान बगल के तापमान से 1 अंश अधिक रहथ।.

2) बुखार में सबसे पहलें

1) बगल के और मुंह के तापमान में अंतर कम होय।. ऐसे डॉ. हेमंत जोशी क श्रेणी 1 उष्माघात (बुखार) कहथेन।.

2) बाद में दुनव एक समान होय जाथेन। उष्माघात 1 ऐके डॉ. हेमंत जोशी क श्रेणी 2 उष्माघात कहथेन।

3) ओकरे बाद बगल क चमडी क तापमान मोहे के तापमान से ज्यादा होय जाथ ।.

मतलब उष्माघात (बुखार) भयल बा।. ऐके डॉ. हेमंत जोशी क श्रेणी 3 उष्माघात कहथेन।

4) पसीना न होऊब, पेसाब कम होऊब उष्माघात (बुखार) क लक्षन बा।.

इलाज

धुप के बामारी क इलाज

और

नहवावय के, पानी खूप पिय।.
पियास न लगय इतना।.
गिला कपडा से शरीर
अउर सीर पोछदेवय के
12 दईयॉ पेसाब होय

इतना पानी, सरबत, चाय
पेच पियावय के।